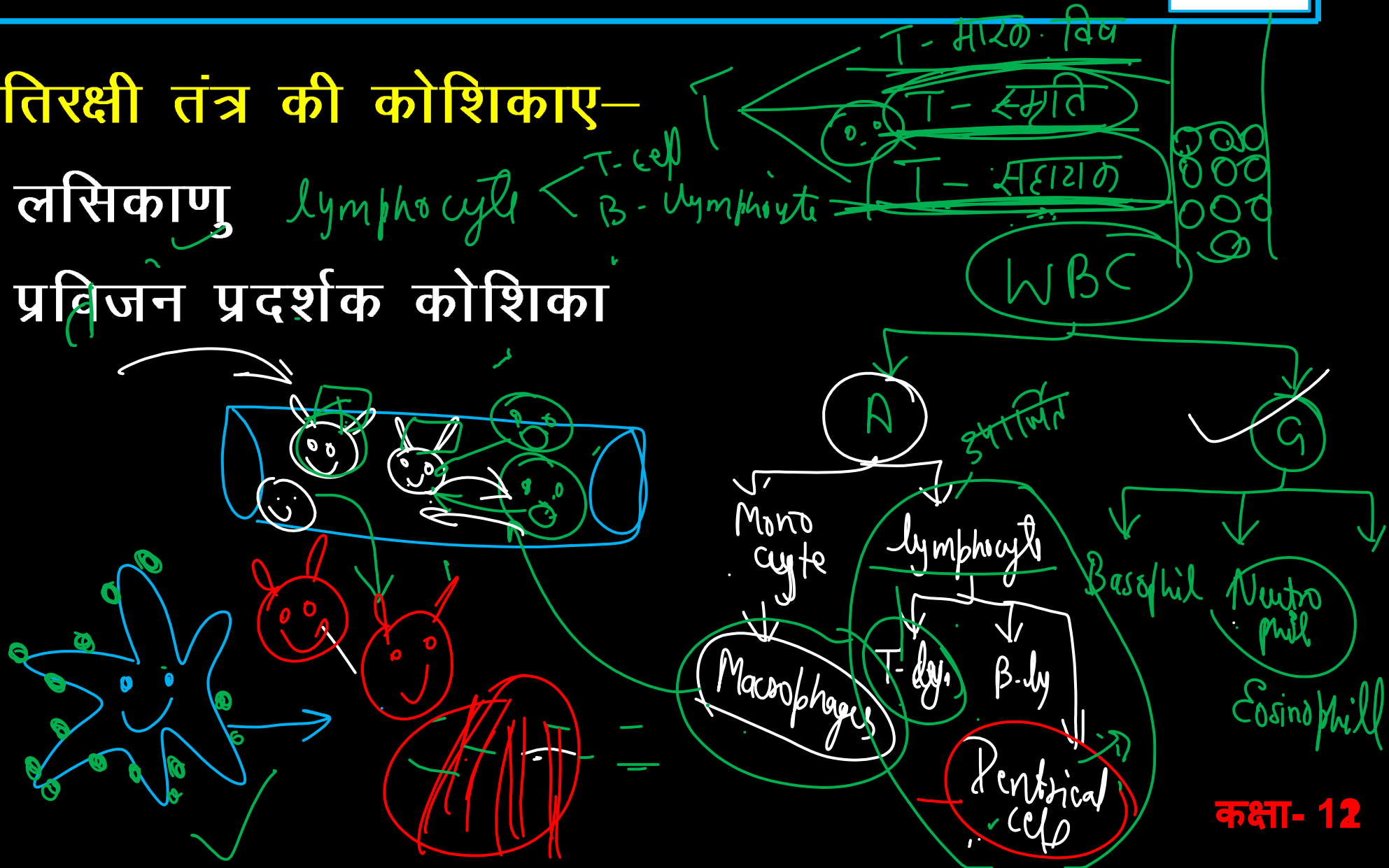


प्रतिरक्षी तंत्र की कोशिकाएँ—

- लसिकाणु *lymphocyte* $\begin{cases} \text{T-cell} \\ \text{B-lymphocyte} \end{cases}$
- प्रविजन प्रदर्शक कोशिका



लसिकाणु -

lymphocyte

20%

- मानव के रक्त में विशिष्ट WBC कोशिकाएँ होती हैं।
- भ्रूण में इनका निर्माण यकृत व थाइमस में होता है।
- व्यस्क में इनका निर्माण अस्ति मज्जा व लसिका ग्रन्थि में होता है।

lymphocyte :- भ्रूण :- liver & thymus

व्यस्क :- Bone marrow & lymphoid organs

प्राथमिक लसिकाणु – अस्थित मज्जा, थाइमस

द्वितीयक लसिकाणु – लसिका ग्रंथियों, ट्रासिल, अपेडिक्स

lymphocyte



T-lymphocyte

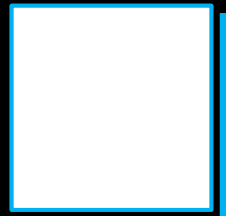
निर्माण: - Bone marrow

परिपक्व: - Thymus (शक्तिशीलता)

B-lymphocyte

निर्माण: Bone marrow


परिपक्व: - Bone marrow
प्रोटीन संश्लेषण - globulin production



लसिकाणु दो प्रकार के होते है।

1. T- lymphocyte :-

- वे लसिकाणु जिनकी उत्पत्ति अस्थि मज्जा में होती है।
- किन्तु इनका परिपक्वन थाइमस ग्रन्थि में होता है
- य संक्रमण स्थल पर गमन करके पहुचती है।



■ ~~तीन~~ प्रकार की होती है ।

T- सहायक कोशिका —

T- मारक कोशिका

स्मृति T- कोशिका



लसिकाणु दो प्रकार के होते है।

1. B- lymphocyte :-

- वे लसिकाणु कोशिकाएं जिनकी उत्पत्ति व परिपक्वन अस्थि मज्जा में होता है।
- य गतिशील नहीं होती है
- य विशिष्ट प्रकार के प्रोटीन स्रवित करते है।

T-helper cell

- T-मारक कोशिका को भी सक्रिय करती है।
- जिससे सक्रिय कोशिका विभाजन कर अपनी संख्या बढ़ा कर रोगाणु से लड़ने के लिए तैयार होती है।

प्रतिजन प्रदर्शक कोशिकाएं –

- विशिष्ट प्रकार की WBC कोशिका
- जैसे ही शरीर में कोई रोगाणुओं को अपनी सतह पर चिपका देती है।
- T-सहायक कोशिका इसके समीप से निकलती है वह सक्रिय हो जाती है।

